वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) और (ख) जी हां। जनता के पास मुद्रा की प्रमात्रा 18 मार्च 1994 को 83567 करोड़ रूपये के मुकाबले 17 मार्च 1995 को 102857 करोड़ रूपये थी।

(ग) और (घ) 15.2 प्रतिशत, 11.7 प्रतिशत और 20.4 प्रतिशत की क्रमशः वार्षिक अभिवृद्धि दरें दर्ज करते हुए 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के क्रमशः वित्तीय वर्षों के अन्त में जनता के पास मुद्रा की प्रमात्रा 61098 करोड़ रू0, 68273 करोड़ रू0 और 82198 करोड़ रूपये थी।

(ङ) जनता द्वारा धारित मुद्रा की प्रमात्रा में, अर्थव्यवस्था में उत्पादन और व्यापार में विस्तार सहित वृद्धि हुई। यह बैंक जमाराशियों और उनके बीच व्याप्त बैंकिंग सम्बन्धी आदतों की तुलना में मुद्रा के लिए जनता के अधिमान पर भी भी निर्भर करता है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के जाली शेयर प्रमाण-पत्र

3413. श्री संघ प्रिय गौतम : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के जाली शेयर प्रमाण-पत्रों के परिचालन में बढ़ोतरी के संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर विस्तृत रूप में कोई मूल्यांकन किया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या सरकार ने इस सबंध मे कोई कार्यवाही नही की है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण है;

(ङ) रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. द्वारा आज की तारीख में कितनी संख्या में और कितने-कितने मूल्य के शेयर और डिबेन्चर इश्यू जारी किए गए है और उनके संबंध में किए गए संव्यवहार का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(च) क्या ये सभी शेयर और डिबेंचर्स भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास पंजीकृत हैं ;

(छ) सरकार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. के खिलाफ निवेशकों से अब तक राज्यवार कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं और कितने शेयर धारकों ने इस प्रकार की शिकायतें की हैं; और

(ज) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस पर क्या कार्यवाही की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) जी नहीं।

(ख) (क) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नही उठता।

(ग) और (घ) सरकार ने इस सबध में कार्रवाई नहीं की है क्योंकि किसी कंपनी के जाली शेयरों के प्रचलन में हुई वृद्धि का मूल्यांकन करना संभव नहीं है।

(ङ) रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा अब तक निर्गमित शेयरों और डिबेंचरों की संख्या तथा मूल्य के संबंध में सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी। सरकार इन प्रतिभूतियों मे हुए लेन-देनों के ब्यौरों से सबंधित आंकड़े नहीं रखती।

(च) "सेबी" किसी कंपनी के शेयरों और डिबेचरों को पंजीकृत नहीं करती।

(छ) "सेबी" जो मुख्यतया निवेशकों के हितों के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया है, ने सूचित किया है कि वह किसी कंपनी के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों के राज्य-वार आंकड़े नहीं रखता। "सेबी" ने सूचित किया है कि 1-3-1993 से 15-4-1995 तक की अवधि के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के विरुद्ध उसे प्राप्त शिकायतों की कुल संख्या 10,148 है।

(ज) निवेशकों से प्राप्त शिकायतों की सेबी द्वारा कंपनी के पास उनके निवारण हेतु भेज दिया जाता है और उन पर नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है ।

Tax evasion by staff of Reliance Industries

3414. SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Survey Division of the Income Tax Department has detected a number of cases of tax evasion by the General Manager, Chairman of the Reliance Group, Managers and other staff members working in Hotel Meridian, New Delhi based office of Reliance Group of Industries Limited;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have received complaints of official pressure on Income Tax Officers and threats given to them by the General Manager;

(d) if so, what action has been taken against the General Manager, Chairman and other persons found guilty; and

(e) if no action has been taken, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) No survey was conducted recently on the office of Reliance Industries located at Hotel Meridian, New Delhi by the Income Tax Department.

(b) to (e) In view of the above, the answer is 'Not applicable'.

मुद्रास्फीति के बारे में की गई भविष्यवाणी

3415. श्री अनन्त राम जायसवाल :

श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 4 मार्च, 1995 के दैनिक "हिन्दुस्तान" में "मुद्रास्फीति की दर 30 प्रतिशत तक पहुंच सकती है" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; यदि हां, तो मुद्रास्फीति के संबंध में की गई भविष्यवाणी पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ख) मुद्रास्फीति से सामान्यजन के दैनिक जीवन और देश के विकास पर क्या-क्या प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि चालू वित्तीय वर्ष में डालर के मुकाबले रुपए के मूल्य में रिकार्ड गिरावट आई है ;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और क्या सरकार इस गिरावट को रोकने के लिए कोई कार्यवाही करेगी ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और क्या प्रश्नगत समाचार में अर्थशास्त्री श्री भट्टाचार्य द्वारा कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में कम पूंजी निवेश पर व्यक्त की गई चिन्ता सही है ; यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) जी हां। परन्तु सरकार इस विचार से सहमत नहीं है। वार्षिक मुद्रास्फीति में पहले ही 8 अप्रैल, 1995 तक 9 प्रतिशत पर पहुंचकर गिरावट आना शुरू हो गया है।

(ख) मुद्रास्फीति से प्रत्येक को हानि होती है जबकि सामान्य व्यक्ति केवल प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है यदि दैनिक उपभोक्ता मदों की कीमतों में वृद्धि होती है, तो उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है।

(ग) से (ङ) जी नहीं, मुद्रा दर में मार्च 1994 के अन्त में 31.37 रूपए और मार्च 1995 के अन्त में